रोजगार के अवसरों में कमी

2952. श्री राम सिंह राठवा : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रेल विभाग रोजगार के अवसर कम हो गये हैं ;

(ख) यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान सृजित पदों की जोन-वार संख्या कितनी-कितनी है ;

(ग) 31 दिसम्बर, 1993 की स्थिति के अनुसार नैमित्तिक कर्मचारियों की संख्या कितनी थी तथा वे कुल कर्मचारियों के कितने प्रतिशत हैं ; और

(घ) सरकार द्वारा रेल विभाग में रोजगार के और अधिक अवसर सृजित करने हेतु क्या प्रयास किए जा रहे हैं ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के०सी० लेंका) : (क) और (ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान रेलवे-वार सृजित पदों की संख्या के अनंतिम आंकड़े इस प्रकार हैं :—

मध्य . . .	3255
पूर्व . . .	6883
उत्तर . . .	1284
पूर्वोत्तर . . .	1193
पूर्वोत्तर सीमा . .	717
दक्षिण . . .	1231
दक्षिण . . .	3244
दक्षिण पू . .	2545
पश्चिम . . .	2912

(ग) 31-12-93 को नैमित्तिक कर्मचारियों की अनंतिम संख्या 76,701 है और ग्रुप "क" तथा "ख" के कर्मचारियों को छोड़कर कुल कर्मचारियों से उनका प्रतिशत 4.88 है ।

(घ) नयी लाइनों/खण्डों तथा नयी उत्पादन इकाइयां खोलकर तथा चल स्टाक अवसंरचना के अनुरक्षण के लिए सुविधाओं का निर्माण करके रेलों पर सीधी भर्ती के अवसरों का सृजन किया जाता है । बहरहाल, अप्रचलित प्रौद्योगिकी को हटाने तथा आधुनिक प्रौद्योगिकी शुरु किये जाने के परिणामस्वरूप अकुशल श्रमिकों की संख्या में कमी हुई है । इसकी प्रतिपूर्ति करने तथा देश में रोजगार की समग्र वृद्धि सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आमान परिवर्तन तथा बाहरी एजेंसियों से सामग्री, उपस्कर, मशीनरी तथा संयंत्र की खरीद के माध्यम से अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसरों को बढ़ाया जा रहा है । रेलें, इण्डियन रेलवे कन्स्ट्रक्शन कम्पनी लि० (इरकान), कंटनर निगम, कोंकण रेलवे निगम आदि जैसे सहायक संगठनों जिनसे बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रोजगार प्राप्त होते हैं, की स्थापना भी कर रही है ।

मुम्बई में रेल लाइन को दोहरा किया जाना

2953. श्री विट्ठलराव माधवराव जाधव : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कुछ अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों ने मुम्बई में वर्तमान रेल लाइन को दोहरा करने से संबंधित कार्य को शुरु करने के लिए अपनी उत्सुकता व्यक्त की है ;

(ख) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्यों है ; और

(ग) सरकार इस मामले में क्या निर्णय लेगी ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के०सी० लेंका) : (क) जी, नहीं ।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठता ।

Completion of Eklashi-Balurghat rail project

2954. PROF. SAURIN BHATTACHARYA: Will the Minister of RAILWAYS be pleaesd to state;

(a) what has been the progress on Eklashi-Balurghaht rail link project

which finds place in successive Railway Budget;

(b) how much money has been allotted so far for the project which is extremely vital for the area; and

(c) whether adequate funds would be found for this project this year so that the ruffled feeling of the people of this area is assuaged?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C. K. JAFFER SHARIEF): (a) 3%.

(b) Rs. 2.97 crores.

(c) Providing additional funds for this project during 1994-95 is under consideration.

डी.एम.यू. रेलगाड़ियों का चलाया जाना

2955. श्री शंकर दयाल सिंह : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में इस समय चल रही डी०एम०यू० रेलगाड़ियों की संख्या कितनी है ;

(ख) इन रेलगाड़ियों तथा अन्य रेल-गाड़ियों में मुख्य अंतर क्या है और इन रेलगाड़ियों की संख्या में किस सीमा तक वृद्धि की जायेगी ; और

(ग) इस समय पटना-गया खंड पर चल रही डी०एम०यू० रेलगाड़ियों की संख्या कितनी है तथा क्या इनकी संख्या में वृद्धि किये जाने का कोई प्रस्ताव है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के०सी० लेंका) : (क) डी०एम०यू० किस्म की 120 पुश-पुल गाड़ियां विभिन्न मार्गों पर चल रही हैं ।

(ख) पुश-पुल गाड़ियों मै रेल इंजन गाड़ी संरचना के बीच में होता है और ड्राइविंग कैब अंतिम सवारी डिब्बों में होते हैं । इनकी संरचना को अधिकतम दस सवारी डिब्बों तक सीमित रखा जाता है । पुश-पुल गाड़ियां उच्चतर गति से चलती हैं और परम्परागत गड़ियों की तुलना में टर्मिनलों पर रिवर्सल में बहुत कम समय लेती हैं । इन्हें उत्तरोत्तर अन्य खंडों पर चलाया जाएगा, लेकिन यह परिचालनिक व्यावहारिकताओं और उनके औचित्य पर निर्भर करेगा ।

(ग) पटना-गया खंड पर डी०एम० यू० किस्म की 3 जोड़ी पुश-पुल गाड़ियां चल रही हैं । इन गाड़ियों का और चलाया जाना परिचालनिक व्यावहारिकता और औचित्य पर निर्भर करेगा ।

Accident of 3019 up Howrah Gorakh-..... par Express

2956. SHRI MENTAY PADMA-NABHAM: Will the Minister of RAILWAYS be pleaesd to state:

(a) what are the details of the railway accident involving 3019 Up Howrah-Gorakhpur Express and a goods train on 1st January, 1993;

(b) how many such accidents are occurring every month all over the country;

(c) whether any effort is being made to reduce head-on collisions and same track-collisions in the railways;

(d) if so, what is the difficulty involved technically in preventing such accidents; and

(e) what human error is involved in such accidents?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI K. C. LENKA): (a) No such accident occurred on 1.1.93. However, 3019 Up Howrah-GDrakhpur Express train collided in the rear of Up DC Goods train at Bansipur station on Kiul-Jhajha section of Eastern Railway On 1.12.93.

(b) 7 such accidents have occurred between April, 1993 and February, 1994 on all Indian Railways.